दूर्वा गणपति व्रत कथा PDF

पौराणिक कथा के अनुसार, अनलासुर नामक राक्षस ने स्वर्ग और पृथ्वी पर उत्पात मचा रखा था। अनलासुर ऋषि–मुनियों और आम लोगों को जिंदा निगल जाता था। राक्षस से परेशान होकर देवी–देवता और ऋषि–मुनि महादेव से प्रार्थना करने गए। शिवजी ने कहा कि केवल गणेश ही अनलासुर का वध कर सकते हैं। तब सभी ने गणेश जी से प्रार्थना की।

जब श्रीगणेश ने अनलासुर को निगल लिया तो उनके पेट में जलन होने लगी। काफी उपाय करने के बाद भी जलन शांत नहीं हो रही थी। उसके बाद ऋषि कश्यप जी ने दुर्वा घास की 21 गांठें बनाकर भगवान गणेश को दी। जैसे ही भगवान गणेश जी ने दुर्वा खाई तो उससे उनके पेट की जलन बिल्कुल शांत हो गई और तभी से भगवान गणेश जी पर दूर्वा चढ़ाने की परंपरा शुरू हो गई।

pdfinbox.com